Code–MPI-C 301
M.A. SEMESTER-III
Examination-2021
Subject : Philosophy
Paper Name- Indian Logic (भारतीय तर्कशास्त्र)

Maximum marks:70
Pass Percentage: 40%

Time : Three Hours

नोट– प्रश्नपत्र दो भाग 'ए' तथा 'बी' में विभक्त है। सभी खण्ड़ अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देश दिये गए है।

(सेक्शन–ए)
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट– किन्ही पाँच प्रश्नों के प्रति प्रश्न उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है। (5X6=30 अंक)

1. भारतीय परम्परा में तर्क क्या हैं?
2. अनुमान की परिभाषा न्याय के अनुसार बताइये।
3. अनुमान की परिभाषा बौद्ध के अनुसार बताइये।
4. अनुमान के घटक न्याय के अनुसार बताइये।
5. बौद्ध दर्शन के अनुसार अनुमान के प्रकार बताइये।
6. न्याय से आप क्या समझते हैं।
7. उपाधि की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
8. व्याप्ति की परिभाषा पर प्रकाश डालिए।
9. सद्–हेतु की कसौटियाँ से आप क्या समझते हैं?
10. ''हेत्वाभास'' को स्पष्ट कीजिए।

(सेक्शन–बी)
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट– किन्ही चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। (4X10=40 अंक)

11. ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा के सम्बन्ध का विस्तार से वर्णन कीजिए।
12. तर्क या अनुमान प्रमाण को तत्त्व मीमांसा के मूल रूप (प्रमेय शास्त्र) में समझाइये।
13. न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान के प्रकार लिखिए।
14. न्याय एवं बौद्ध दृष्टिकोण से अनुमान की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।
15. न्याय एवं बौद्ध दृष्टिकोण से अनुमान के घटक क्या है?
16. भारतीय तर्कशास्त्र में आगमनात्मक तत्त्वव्याप्तिग्रहोपाय से आप क्या समझते हैं?
17. न्याय दर्शन में वर्णित ''पक्षता'' एवं सामान्य लक्षण का विस्तार से वर्णन कीजिए।
18. न्याय दर्शन वर्णित तर्क की विशद् व्याख्या कीजिए।